



KV NO SEVEN JAIPUR



@PMSHRIKV7JAIPUR



@PMSHREE\_KVNO.7\_JAIPUR



@kv7cisfjaipur418

# विद्यालय पत्रिका

## VIDYALAYA PATRiKA

2024-25



# मुख्य संपादक



श्री राजेश राय सामतानी  
( स्नातकोत्तर शिक्षक (हिन्दी) )

## विद्यालय पत्रिका 2024-25

### संपादक मण्डल

श्री राकेश कुमार गिल  
( स्नातकोत्तर शिक्षक )  
(अंग्रेजी)



श्री राहुल अवस्थी  
( स्नातकोत्तर शिक्षक )  
(कंप्यूटर विज्ञान)



श्री राम नारायण मीना  
( प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक )  
(संस्कृत)



सुश्री मोनिका गुप्ता  
( प्राथमिक शिक्षिका )



### विद्यार्थी संपादक मण्डल

ऋतु कुमारी  
( कक्षा 12 )



मयंक तंवर  
( कक्षा 12 )



अन्नू  
( कक्षा 11 )



हर्षिता कोकड़ा  
( कक्षा 11 )



श्री राहुल बेरवाल  
( तकनीकी सहायक )





**डॉ अनुराग यादव  
उपायुक्त  
केविएस क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर**

प्रिय विद्यार्थियों, शिक्षक साथियों एवं अभिभावकगण ,  
केन्द्रीय विद्यालय संगठन अपने स्थापना काल से ही विद्यार्थियों के ज्ञान, अभिवृति एवं जीवन  
मुल्यों के विकास की दिशा में प्रतिबद्ध रहा है । पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक  
07, जयपुर की यह विद्यालय पत्रिका वर्षपर्यंत आयोजित हुई शैक्षणिक एवं सह- शैक्षणिक  
गतिविधियों का दर्पण है ।

यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि विद्यालय स्तर पर वर्षपर्यंत आयोजित विद्यार्थियों एवं  
शिक्षकों से जुड़ी समस्त गतिविधियों को प्रतिच्छवि की भाँति विद्यालय पत्रिका के रूप में  
प्रकाशित किया जा रहा है । यह पत्रिका इस प्रतिदर्शिता के साथ साथ भविष्य में आयोजित  
होने वाले कार्यक्रमों में पथ प्रदर्शक सिद्ध होगी ।

इसी आशा एवं विश्वास के साथ -

(डॉ अनुराग यादव )  
उपायुक्त  
केन्द्रीय विद्यालय संगठन  
जयपुर संभाग



**श्री आशीष कुमार**  
**सीनियर कमांडेंट, 8वीं आर.बी., सी.आई.एस.एफ., जयपुर**

यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 07, जयपुर द्वारा सत्र 2024 -2025 में आयोज्य समस्त गतिविधियों, क्रियाकलापों को एक सूत्र में पिरोकर पत्रिका के रूप में आकार दिया जा रहा है। विद्यालय में आयोजित, गतिविधियों, कार्यक्रमों एवं अन्य क्रियाकलापों के संकलन रूप में यह पत्रिका अपने उद्देश्य को पूरा करते हुए, केन्द्रीय विद्यालय संगठन के उद्देश्यों को साकार करने में पूर्ण समर्थ सिद्ध होगी।

मैं इस पत्रिका के संपादकीय दल, शिक्षकों, विद्यार्थियों और सभी सहयोगियों को उनकी अथक मेहनत और समर्पण के लिए बधाई देता हूँ। आप सभी के प्रयासों से यह पत्रिका न केवल हमारे विद्यालय की गरिमा बढ़ाएगी, बल्कि सह सांस्कृतिक गतिविधियों के संवर्धन में भी योगदान देगी।  
आप सभी को शुभकामनाएँ।

(आशीष कुमार)

सीनियर कमांडेंट

बटालियन कमांडर, 8वीं आरक्षित वाहिनी,  
अध्यक्ष, विद्यालय प्रबंधन समिति,  
सी.आई.एस.एफ.जयपुर।



## प्राचार्य की कलम से



प्रिय विद्यार्थीगण, अभिभावकगण एवं सम्मानित शिक्षकों,  
शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होती,  
बल्कि यह व्यक्तित्व विकास, नैतिक मूल्यों और  
जीवन की सच्ची समझ का माध्यम भी होती है।  
हमारा विद्यालय सदैव इस दिशा में प्रयासरत है  
कि विद्यार्थियों को न केवल शैक्षणिक ज्ञान मिले,  
बल्कि वे संस्कार, अनुशासन और आत्मनिर्भरता के साथ  
जीवन में आगे बढ़ें।



**श्री प्रदीप चौधरी**

विद्यालय की वार्षिक पत्रिका ”तरंग” के इस नवीन संस्करण के प्रकाशन पर मैं  
अत्यंत हर्ष और गर्व का अनुभव कर रहा हूँ। यह पत्रिका केवल शब्दों का संकलन  
नहीं, बल्कि हमारे विद्यालय की सृजनशीलता, परिश्रम और उपलब्धियों का दर्पण  
है।

इस पत्रिका में विद्यार्थियों की रचनात्मकता, उनकी सोच, उनकी अभिव्यक्ति और  
उनकी उपलब्धियाँ समाहित हैं। यह देखना अत्यंत हर्ष का विषय है कि हमारे छात्र  
साहित्य, कला, विज्ञान, खेल और सामाजिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर  
रहे हैं। यह केवल उनके परिश्रम का ही परिणाम नहीं, बल्कि शिक्षकों और  
अभिभावकों के निरंतर मार्गदर्शन एवं सहयोग का भी प्रमाण है।

प्रिय विद्यार्थियों, जीवन में आगे बढ़ते हुए चुनौतियाँ अवश्य आएँगी, लेकिन यदि  
आप आत्मविश्वास, समर्पण और ईमानदारी के साथ परिश्रम करेंगे, तो सफलता  
अवश्य मिलेगी। अपनी जड़ों से जुड़े रहकर, सच्चाई और मेहनत को अपना आधार  
बनाकर आगे बढ़ें।

अंत में, मैं इस पत्रिका के संपादन मंडल, शिक्षकों और विद्यार्थियों को हार्दिक  
बधाई देता हूँ, जिनके अथक प्रयासों से यह अंक प्रकाशित हो सका। आशा है कि  
यह पत्रिका आप सभी के लिए प्रेरणादायक सिद्ध होगी।

हार्दिक शुभकामनाएँ !



## संपादक की कलम से ....

प्रिय पाठकों,

विद्यालय की वार्षिक पत्रिका के इस नए अंक के साथ,  
हम एक और वर्ष की स्मृतियों, उपलब्धियों और  
अनुभवों को संजोने जा रहे हैं। यह पत्रिका केवल  
पृष्ठों का संकलन नहीं, बल्कि हमारे विद्यार्थियों,  
शिक्षकों और संपूर्ण विद्यालय परिवार की मेहनत,  
रचनात्मकता और सपनों का दस्तावेज़ है।



**राजेश राय सामतानी**

बीते वर्ष ने हमें न केवल नई ऊंचाइयों को छूने का अवसर दिया, बल्कि चुनौतियों से सीखने  
और आगे बढ़ने की प्रेरणा भी दी। शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह  
चरित्र निर्माण, नैतिक मूल्यों और समाज के प्रति उत्तरदायित्व को समझने की प्रक्रिया भी है।  
इस दिशा में हमारा विद्यालय सदैव प्रयासरत रहा है।

हमारा उद्देश्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं है, बल्कि हमें ऐसी पीढ़ी का निर्माण  
करना है जो समाज के लिए प्रेरणास्रोत बने। आत्मनिर्भरता, सद्गाव, अनुशासन और  
रचनात्मकता जैसे गुणों को आत्मसात कर हम एक उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर हो सकते  
हैं।

इस अंक में विद्यार्थियों की साहित्यिक प्रतिभा, कला कौशल, वैज्ञानिक सोच और नवाचार को  
दर्शाने वाले लेख, पीएम श्री गतिविधियाँ, कविताएँ, निबंध एवं प्रेरणादायक कहानियाँ संकलित  
की गई हैं। शिक्षकों और अभिभावकों के विचार भी इस अंक को और अधिक समृद्ध बना रहे  
हैं।

अंत में, मैं विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों, विद्यार्थियों और इस पत्रिका के संपादन मंडल को हार्दिक  
धन्यवाद देता हूँ, जिनके सहयोग से यह पत्रिका संभव हो पाई। आशा है कि यह अंक आपको  
प्रेरित करेगा और नए विचारों को जन्म देगा।

नवचेतना के साथ उज्ज्वल भविष्य की कामना।

शुभकामनाओं सहित,

राजेश राय सामतानी

प्रधान संपादक

# अनुक्रमणिका

## शिक्षकों द्वारा लेख

01

1. AI-Powered Cybersecurity: A New Era of Digital Defense
  2. भविष्य की आकांक्षाएँ: व्यक्तिगत आकांक्षाओं की शक्ति
  3. Mastering the Art of Communication: A Guide for Students
  4. क्रिकेट का सम्मान - विराट कोहली
  5. उलझन
  6. ईश्वर हर समय हमारे साथ हैं
  7. Mobile Cloud Offloading : Enhancing Performance And Efficiency
  8. International Nurses Day
- 

## हिंदी विभाग

02

1. यदि पेड़ भी बोल पाता
  2. दो का पहाड़ा
  3. बाल गीत
  4. सर्वनाम से परिचय
  5. मैं भारत की बेटी हूँ
  6. जरा सोच समझकर
  7. संकल्प
  8. चिरेया
  9. आई बहने
  10. छोटी सी जिंदगी है
  11. प्रकृति
  12. हिन्दी भाषा के सतंभ
  13. माँ तू कितनी अच्छी है
- 

## संस्कृत विभाग

03

1. मधुराष्ट्रकम्
  2. प्रेरणास्प्रद श्लोक
  3. श्रीराम मंदिरम्
  4. नैतिकबलस्य प्रभाव
- 

## गणित विभाग

04

1. Math about me
2. Maths in sports
3. Lines of symmetry

# अनुक्रमणिका

## ENGLISH SECTION

05

1. My Family
  2. Vantara
  3. I Dream a World
  4. Grammar in a nut shell
  5. Our Teachers
  6. My Grandmother
  7. Riddles
  8. Impacts of TV habits on reading
  9. Grammar in a nutshell
  10. Article on French Revolution
  11. The Earth's cry
  12. Time
  13. Nature
  14. Why God made Teachers
  15. My Dear School
  16. My Experience with Special Educator
  17. My visit to Science park
- 

## FACTS

06

1. Facts about Geography
  2. Facts about Civics
  3. Fun facts
- 

## कला विभाग

07

## BEYOND BOOKS: A YEAR IN PICTURES

08

# Article By Teacher

## AI-Powered Cybersecurity: A New Era of Digital Defense



Mr. Rahul Awasthi (PGT CS)

As digital transformation accelerates, cyber threats are becoming more sophisticated and harder to detect. Traditional cybersecurity measures often struggle to keep pace with these evolving threats. This is where AI-powered cybersecurity comes into play. By leveraging artificial intelligence and machine learning, cybersecurity systems can detect, respond to, and mitigate cyber threats more efficiently than ever before.

### What is AI-Powered Cybersecurity?

AI-powered cybersecurity uses advanced algorithms and models to analyze vast amounts of data, identify patterns, and predict potential threats. Unlike traditional systems that rely heavily on predefined rules, AI-driven solutions continuously learn and adapt to new attack techniques.

### How Does It Work?

1. Threat Detection: AI systems analyze network traffic to identify abnormal behaviors that could indicate a cyberattack.
2. Incident Response: AI-powered tools automate the response process, isolating affected systems to prevent further damage.
3. Predictive Analytics: Machine learning models predict potential vulnerabilities and suggest preventive measures.
4. Fraud Detection: AI monitors transactions and activities in real-time to detect anomalies indicative of fraud.

### Benefits of AI-Powered Cybersecurity

- Enhanced Threat Detection: AI can identify subtle patterns and anomalies that traditional methods might miss.
- Real-Time Response: Automated systems respond to threats immediately, minimizing potential damage.
- Scalability: AI systems can analyze large-scale data from multiple sources simultaneously.
- Reduced Human Intervention: Automating routine tasks allows security teams to focus on more complex challenges.

### Applications of AI in Cybersecurity

- Intrusion Detection and Prevention Systems (IDPS): AI analyzes traffic to detect and block suspicious activities.
- Identity and Access Management (IAM): AI helps verify user identities and detect unauthorized access.
- Phishing Detection: Natural language processing (NLP) algorithms analyze emails to identify phishing attempts.

### Challenges and Limitations

Despite its advantages, AI-powered cybersecurity faces several challenges:

1. Adversarial Attacks: Cybercriminals can deceive AI models using manipulated data.
2. False Positives: AI systems may flag legitimate activities as threats, leading to unnecessary alerts.
3. Data Privacy: The need for vast amounts of data can raise privacy concerns.

### Future Trends

The future of AI in cybersecurity is promising, with innovations like:

- AI-Driven Threat Intelligence: Sharing insights across industries to anticipate and counteract emerging threats.
- Zero Trust Architecture: Implementing AI to enforce strict access controls.
- AI and Blockchain Integration: Using blockchain to enhance the integrity of AI-driven systems.

### Conclusion

AI-powered cybersecurity represents a paradigm shift in how we protect digital assets. By augmenting human capabilities with intelligent systems, organizations can stay ahead of cybercriminals and safeguard their data in an increasingly connected world.

# Article By Teacher

## भविष्य की आकांक्षाएँ: व्यक्तिगत आकांक्षाओं की शक्ति

श्री अनिल कुमार - स्नातकोत्तर शिक्षक - भौतिक विज्ञान



आपकी व्यक्तिगत आकांक्षाएँ आपके विकास, सफलता और पूर्ति के पीछे प्रेरक शक्ति हैं। वे सपने, लक्ष्य और इच्छाएँ हैं जो आपको उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने और अपनी सीमाओं से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।

### व्यक्तिगत आकांक्षाएँ क्यों मायने रखती हैं?

1. दिशा और उद्देश्य: व्यक्तिगत आकांक्षाएँ आपको दिशा और उद्देश्य की भावना देती हैं, जिससे आपको जीवन की चुनौतियों से निपटने और सोच-समझकर निर्णय लेने में मदद मिलती है।
2. प्रेरणा और प्रेरणा: आकांक्षाएँ आपको कार्रवाई करने के लिए प्रेरित और प्रेरित करती हैं, जिससे आप अपने लक्ष्यों की ओर काम करने और बाधाओं को दूर करने के लिए प्रेरित होते हैं।
3. व्यक्तिगत विकास और विकास: अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने से व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा मिलता है, जिससे आपको नए कौशल विकसित करने, आत्मविश्वास बनाने और अपनी ताकत खोजने में मदद मिलती है।

### व्यक्तिगत आकांक्षाओं के प्रकार

1. करियर संबंधी आकांक्षाएँ: अपने पेशे में आगे बढ़ना, नए क्षेत्र में जाना या अपना खुद का व्यवसाय शुरू करना।
2. शैक्षिक आकांक्षाएँ: उच्च शिक्षा प्राप्त करना, नए कौशल सीखना, या प्रमाणपत्र प्राप्त करना।
3. व्यक्तिगत विकास आकांक्षाएँ: शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक कल्याण या आध्यात्मिक विकास में सुधार।
4. रचनात्मक आकांक्षाएँ: कलात्मक जुनून, लेखन, संगीत, या अन्य रचनात्मक प्रयास करना।

### व्यक्तिगत आकांक्षाएँ निर्धारित करना और प्राप्त करना

1. प्रतिबिंबित करें और पहचानें: अपनी आकांक्षाओं को पहचानने के लिए अपने मूल्यों, जुनून और शक्तियों पर विचार करने के लिए समय निकालें।
2. स्मार्ट लक्ष्य निर्धारित करें: अपनी आकांक्षाओं को प्राप्त करने के लिए विशिष्ट, मापने योग्य, प्राप्त करने योग्य, प्रासंगिक और समयबद्ध लक्ष्य बनाएं।
3. एक कार्य योजना बनाएं: अपने लक्ष्यों को छोटे, प्रबंधनीय चरणों में विभाजित करें और पूरा करने के लिए एक समयरेखा निर्धारित करें।
4. समर्थन और जवाबदेही की तलाश करें: समर्थन और जवाबदेही हासिल करने के लिए अपनी आकांक्षाओं को विश्वसनीय दोस्तों, परिवार या किसी गुरु के साथ साझा करें।

### बाधाओं पर काबू पाना और प्रेरित रहना

1. असफलता को स्वीकारें: असफलताओं को विकास और सीखने के अवसर के रूप में देखें।
2. छोटी जीत का जश्न मनाएं: अपनी प्रगति को स्वीकार करें और उसका जश्न मनाएं।
3. सकारात्मक और केंद्रित रहें: अपने आप को सकारात्मक प्रभावों से घेरें, और नियमित रूप से अपनी आकांक्षाओं को याद दिलाएँ।

### निष्कर्ष

आपकी व्यक्तिगत आकांक्षाएँ आपके जीवन को बदलने की शक्ति रखती हैं, आपको बढ़ने, सीखने और अपने सपनों को हासिल करने में मदद करती हैं। अपनी आकांक्षाओं को पहचानकर, स्मार्ट लक्ष्य निर्धारित करके और प्रेरित रहकर, आप अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर सकते हैं और एक उज्जवल भविष्य बना सकते हैं।

याद रखें, आपकी आकांक्षाएँ आपके लिए अद्वितीय हैं, और उन्हें पूरा करने में कभी देर नहीं होती, इसलिए आज ही पहला कदम उठाएं और अपने भविष्य को खोलना शुरू करें!

# Article By Teacher

## Mastering the Art of Communication: A Guide for Students

Mrs. Swati Gogna (PRT)



Communication skills are a fundamental aspect of personal and professional success. As students, now is the perfect time to enhance these skills, setting the stage for a future filled with effective collaboration and articulate expression. Here are some practical tips to help you improve your communication skills:

- **Read Widely:** Reading is a powerful tool to expand your vocabulary, enhance comprehension, and expose you to different styles of communication. Whether it's literature, newspapers, or online articles, regular reading helps you articulate ideas more effectively.
- **Engage in Conversations:** Actively participate in discussions with classmates, teachers, and family members. Engaging in conversations allows you to practice articulating your thoughts and opinions while also sharpening your listening skills. Be open to different perspectives and learn from the experiences of others.
- **Practice Writing:** Writing is an essential aspect of communication. Practice regularly by maintaining a journal, writing essays, or even starting a blog. This not only enhances your writing skills but also helps you organize your thoughts coherently.
- **Expand Your Vocabulary:** A rich vocabulary allows you to express yourself more precisely. Make a habit of learning new words regularly. Use a thesaurus to explore synonyms and deepen your understanding of language.

In conclusion, mastering the art of communication is a gradual process that involves consistent effort and practice. By incorporating these tips into your daily routine, you'll not only become a more effective communicator but also set yourself on a path towards success in both your academic and professional pursuits.

# Article By Teacher

## क्रिकेट का सम्राट - विराट कोहली

श्री धोलाराम मीना (प्राथमिक शिक्षक)



देखो कौन आया? आया है विराट, क्रिकेट का सम्राट ।

विराट इसका नाम, शतक मारना इसका काम,

पंगा मत लेना नहीं तो करेगा काम तमाम ।

हम सब चीज छोड़कर विराट की बैटिंग देखने आते हैं,  
लेकिन बुरा तब लगता है जब विराट जल्दी आउट हो जाता है,

पर जब विराट दूसरों को अपनी बैटिंग से हराता है,

तब लगता है सुकून और बड़ा मजा आता है।

विराट ने बहुत सारे रेकॉर्ड्स तोड़ने का काम है किया,  
उनका अंदाज और स्वभाव है मजाकिया,

पूरे देश ने विराट को प्यार दिया,

विराट आपके इस खेल को दिखाने के लिए हम आपको कहते हैं शुक्रिया ॥

विराट को अब सौ शतकों की प्यास है, हमें भी उससे बहुत आस है, विराट का  
फैन हूँ वह बहुत खास है, उससे दूर हूँ लेकिन वह दिल के पास है॥

अंत में ये कहूँगा कि

जीत की हर बात पर लिखा जाएगा मेहनत के सम्राट पर लिखा जाएगा जब  
बात आयेगी ऊँचे खेल खिलाड़ी की तब तब भारत मे विराट पर लिखा जाएगा।

# Article By Teacher

उलझन

श्री विनोद कुमार नामा (प्राथमिक शिक्षक)



आज खामोश हूं मैं, पर कुछ कहना है  
कहता हूं तो लफ़्ज़ रुक से जाते हैं  
कहता हूं तो लब सिल से जाते हैं  
कहता हूं तो आँखें बहने लगती हैं  
कहता हूं तो माथे पर सिकन सी पड़ जाती है  
कहता हूं तो हाथ कंपकपाने लगते हैं  
कहता हूं तो गला रूंद सा जाता हैं  
क्या कहूं, कैसे कहूं, किससे कहूं  
बस यही सवाल अंतर्मन को झकझोर सा देता है  
बस यही सवाल आँखों को रुला सा देता है  
बस यही सवाल दिल को पसीज सा देता है  
बस यही सवाल सांसों को तेज़ सा कर देता है  
बस यही सवाल धावों को कुरेद सा देता है  
बस यही सवाल धड़कन रोक सा देता है  
बस यही सवाल अरमानों को तोड़ सा देता है  
आज खामोश हूं मैं, पर कुछ कहना है॥

# Article By Teacher

## ईश्वर हर समय हमारे साथ हैं



सुश्री मोनिका गुप्ता (प्राथमिक शिक्षिका)

किसी ने सत्य कहा है - लोग अपने चेहरे को साफ रखते हैं जिस पर लोगों की नजर होती है, लेकिन अपने दिल और अपने कर्मों को साफ रखना भूल जाते हैं जिस पर भगवान की नजर होती है।

इसी पर प्रस्तुत है यह कहानी:-

एक दिन मेरे दरवाजे की घंटी बजी। मैं दौड़ा- भागा दरवाजा खोलने के लिए, सामने एक बहुत ही आकर्षक व्यक्तित्व का व्यक्ति खड़ा था। मैंने उनसे पूछा- बताइए क्या काम है?

तो उन्होंने कहा -अच्छा, आज मैं खुद तुम्हारे सामने आया हूं, तो तुम मुझे पहचानने से मना कर रहे हो।

तो मैंने कहा - नहीं, मैं आपको नहीं जानता, कृपया करके अपना परिचय दें।

तो उन्होंने कहा- मैं वही हूं, जिसने तुम्हें साहब बनाया है, यह जो आज तुम्हारे पास गाड़ी है, बंगला है, पूरा परिवार साथ खड़ा है, यह मेरी ही देन है।

तो मैंने बोला- क्या भगवान हो क्या?

तो उन्होंने बोला- हां, तू हमेशा बोला करता था ना, कि नजर में तो रहते हो, पर नजर नहीं आते, तो आज मैं तेरे सामने आ गया हूं, आज पूरे दिन मैं तुम्हारे साथ रहूंगा और केवल तुम मुझे देख पाओगे और कोई मुझे नहीं देख पाएगा।

तो मैंने कहा- क्या सच कह रहे हैं आप?

तो उन्होंने कहा- हां, सच में, केवल आज के लिए मैं तुम्हारे लिए तुम्हारे पास आया हूं। हमारे बीच की बातें चल ही रही थीं कि मां की आवाज आ गई और उन्होंने कहा अरे! दरवाजे पर कोई ही नहीं, तू बाहर खड़ा-खड़ा कर क्या रहा है? जल्दी अंदर आ। मैं घबरा गया, सहन गया, कि मां को कोई भी दिखाई क्यों नहीं दे रहा है?

फिर मैं अंदर आ गया और सोफे पर बैठ गया देखा, तो साथ में भगवान भी बैठे हुए हैं। इतने में मां मेरे लिए चाय बना कर ले आई और मेरे सामने रख दी मैंने भगवान से पूछा- आप भी लेंगे, तो उन्होंने सुबह की चाय लेने से इनकार कर दिया। जैसे ही चाय की पहली चुस्की ली, तो मेरी आदत थी कि मैं जोर से चिल्ला कर बोलता था कि- मां, यह कैसी चाय बनाई है? इतनी मीठी चाय है? इतनी चीनी डाल दी है?

फिर मेरी नजर भगवान की तरफ गई, वे मुझे देख रहे थे, उनकी नजर मुझ पर ही थी, तो मुझे लगा भगवान देखेंगे मुझे और कहेंगे कि ये अपनी मां पर किस तरीके से चिल्लाता है, गुस्सा करता है, पर आज मैंने वह चाय चुपचाप पी ली और कहा चाय अच्छी थी। फिर मैं उठकर जाने लगा नहाने के लिए तो वह भी मेरे पीछे-पीछे आने लगे, तो मैंने उनसे कहा- अरे यहां मत आइए, आप बाहर ही रहिए, मैं तैयार हो कर बाहर आता हूं। बाहर आया पूजा पाठ करने लगा, तो वहां भी वह मेरे साथ थे, और केवल मुझे ही दिख रहे- मैंने आज बड़े मन से आराधना की, पूजा की, कि आज तो भगवान मेरे साथ ही हैं।

उसके बाद खाना पैक करा के, खाना लेकर के बाहर निकला, कार की सीट पर बैठा तो देखा- साथ वाली सीट पर भगवान बैठे हैं, मैंने कहा आज तो कमाल ही हो गया, फिर थोड़ा आगे चले ही थे कि एक फोन कॉल आ गया और मेरी तो आदत थी- गाड़ी चलाते-चलाते कॉल उठाने की, पर मुझे लगा, ये देखेंगे, तो डांट देंगे कि गाड़ी चलाते हुए फोन उठा रहा है। गाड़ी को साइड में लगाया फिर फोन उठाया, थोड़े नियम कायदे फॉलो किए। यह कॉल कोई डील करने के लिए आई थी और मेरी तो आदत थी कि मैं पूछ लेता था कि और इसके ऊपर से मुझे कितना प्रतिशत मिलेगा लेकिन आज तो भगवान साथ में थे, वे देख रहे थे, तो मैंने ऐसा नहीं बोला और उनसे फोन पर बोल दिया कि- आपका काम हो जाएगा, आप ऑफिस आ जाना। अब ऑफिस पहुंचा, तो वहां पर कई बार गुस्सा कर लेता था, बदतमीजी से बात कर लेता था, या कभी बोलते-बोलते गाली भी निकल जाती थी मुंह से। लेकिन उस दिन तो क्योंकि उनकी नजर में था, तो मैंने ऐसा कुछ किया ही नहीं, किसी पर गुस्सा तक नहीं किया, बुरा बर्ताव नहीं किया। सभी सदस्य आज बहुत अचंभित थे कि आज सर को क्या हुआ-आज गुस्सा नहीं कर रहे हैं, शांत हैं, अच्छे से बात कर रहे हैं आज तो सबके साथ? ऐसे ही अच्छे से बर्ताव करते हुए पूरा दिन निकल गया, पूरे दिन में ना मन में काम आया, ना क्रोध, न लोभ, न मोह, कोई भी विकार नहीं आया, क्योंकि आज तो मैं उनकी नजर में था, तो आज मन में था कि आज का एक दिन तो ठीक से जीना है। शाम हुई, वापिस घर जाने के लिए कार में बैठा, तो वे मुझसे पहले कार में बैठे हुए थे, तो मैं उनसे बोला- आप भी सीट बेल्ट लगा लो, थोड़े नियम आप भी फॉलो कर लो, उन्होंने सेट बेल्ट लगा ली। घर पहुंचे तो रात का खाना मेज पर तैयार रखा था, मां इंतजार कर रही थी। मैं कुर्सी पर बैठा, देखा भगवान भी आकर कुर्सी पर बैठ गए। पहली बार अपने जीवन में मैंने वह भोजन देखकर कहा- भगवान पहला निवाला आप लीजिए, उन्होंने ले लिया। खाना खत्म किया, तो मां बोली - आज तो तूने खाने में कोई कमी नहीं निकाली, आज तो तूने चुपचाप खा लिया, आज सूरज पश्चिम से निकला है क्या, आज क्या हो गया? तो मैं बोला - नहीं मां, आज सूर्योदय मेरे हृदय में हुआ है, खाने में कमी निकालूं, ऐसा तो मन में आया ही नहीं, यह तो लगा कि आज प्रसाद खाया है, प्रसाद में कोई कमी थोड़ी ना होती है, प्रसाद तो ऐसे ही बहुत स्वादिष्ट होता है। मेरी मां बहुत अचंभित हुई, वह बोलीं कि क्या बात है, आज तो बेटा बिल्कुल ही बदल गया। उसके बाद थोड़ा टहला, फिर सोने के लिए आया तो देखा वहां पर भी वह मौजूद थे। मैं लेटा, तो वे मेरे सिर पर हाथ फेर रहे थे, कह रहे थे - कि पहले तू किताब पढ़ कर या फोन देखकर या संगीत सुनकर सोने की कोशिश करता था, आज तुझे ऐसा कुछ करने की जरूरत नहीं पड़ेगी, आज तुझे बहुत सुकून की नींद आएगी। और सच में, मुझे बहुत सुकून की नींद आई। फिर आंख तब खुली, जब माँ जोर से चिल्लाई- उठ जा, जाकर दरवाजा खोल, गेट पर घंटी कब से बज रही है। तब समझ में आया, कि यह तो सब एक सपना था, जो कि मैं गहरी नींद में देख रहा था। लेकिन सच तो यह था कि- मैं जीवन की गहरी नींद में था और उस सपने ने मुझे गहरी नींद से जगा दिया था। एक ऐसा सपना, जिसने मुझे झकझोर दिया और बता दिया, कि हम सच में हमेशा उनकी नजर में है। हमें हमेशा अच्छा काम करना चाहिए। सच में हम बहुत गहरी नींद में सोए होते हैं, विकारों से चिरे रहते हैं, एक सपने की आवश्यकता है, जो हमें नींद से जगा दे और यह कहानी वही सपना है।

आशा करती हूं कि आप भी हमेशा सत्कर्मों की ओर आगे बढ़ेंगे और अपने जीवन में एक ऐसा लक्ष्य अवश्य बनाएंगे जो आपको परमार्थ बना दे, जिससे लोग आपसे प्रेरणा लें और सत्यता की तरफ अग्रसर हों।

# Article By Teacher

## Mobile Cloud Offloading : Enhancing Performance And Efficiency



Mr. Rahul Berwal (Computer Inst.)

In today's fast-paced digital world, mobile devices have become indispensable. However, their limited computational resources often hinder performance when running resource-intensive applications like augmented reality (AR), gaming, and machine learning. This is where mobile cloud offloading comes into play. By offloading complex computations to remote cloud servers, mobile cloud offloading enhances performance, conserves battery life, and improves overall user experience.

### What is Mobile Cloud Offloading?

Mobile cloud offloading refers to the process of transferring computational tasks from a mobile device to external cloud-based resources. This strategy leverages the cloud's vast processing power and storage capabilities to handle heavy tasks, allowing mobile devices to focus on simpler, local operations.

### How Does It Work?

The offloading process typically involves the following steps:

1. Task Identification: The device identifies resource-intensive tasks suitable for offloading.
2. Task Partitioning: Tasks are divided into smaller components, with only the computationally heavy parts sent to the cloud.
3. Data Transmission: The tasks and necessary data are transmitted to the cloud server.
4. Cloud Processing: The cloud processes the data and returns the results to the device.
5. Result Integration: The device integrates the processed data into the running application.

### Benefits of Mobile Cloud Offloading

1. Improved Performance: Cloud servers offer superior processing capabilities, enabling faster execution of complex tasks.
2. Extended Battery Life: Offloading computational tasks reduces energy consumption on the mobile device.
3. Scalability: Cloud resources can be dynamically scaled to handle varying workloads.

### Applications of Mobile Cloud Offloading

- Augmented Reality (AR) and Virtual Reality (VR): Offloading graphics rendering to the cloud improves performance and responsiveness.
- Mobile Gaming: Cloud gaming platforms like Google Stadia and NVIDIA GeForce NOW rely heavily on cloud offloading.
- Smart Assistants: Virtual assistants like Siri and Google Assistant utilize cloud servers for natural language processing.

### Challenges and Considerations

Despite its advantages, mobile cloud offloading faces several challenges:

1. Network Latency: Delays in data transmission can impact real-time applications.
2. Security and Privacy: Sensitive data transmitted to the cloud must be protected with robust encryption.
3. Connectivity Dependency: A stable and high-speed internet connection is crucial for effective offloading.
4. Cost Management: Cloud services incur operational costs that need to be managed efficiently.

### Future Trends

The future of mobile cloud offloading is promising, with advancements like edge computing, 5G networks, and AI-driven task management enhancing its capabilities. Edge computing, in particular, reduces latency by processing data closer to the device, while 5G technology provides the necessary bandwidth for real-time applications.

### Conclusion

Mobile cloud offloading is a transformative technology that bridges the gap between mobile device limitations and the growing demand for high-performance applications. By intelligently leveraging cloud resources, this approach ensures efficient, responsive, and scalable mobile experiences for users worldwide.

# Article By Teacher

## International Nurses Day

Mrs. Meenakshi (Nursing Officer)



International Nurses Day is celebrated around the world every -12 May, the anniversary of - Florence Nightingale's birth, who was known as the founder of modern nursing.

The Contribution and importance of nurses and nursing profession around the world can not be neglected. IND has celebrated it since 1965, from the very beginning of the journey.

In year 1953, Dorothy Sutherland proposed this day, but at that time, the President didn't approve of this day. In the year 1965, ICN (International Council of Nurses) started to observe this day on May 12. In 1974, this day officially got recognition. Then, World Nurses Day is celebrated throughout the world. Serving humanity is one of the great professions. Nurses are doing this. They are playing an important role in society.

The nursing profession is being raised by the celebration of International nurse's day. As they are the backbone of the health Care System. The people throughout the world are acknowledged about Nurses Day. The global COVID- 19 pandemic has shown the world, the important role that nurses play in keeping people healthy.

The theme of IND for 2025 is -"Our Nurses, Our Future, Caring for nurses strengthens economies". It focused on the changes and innovation in nursing and how this will ultimately shape the future of health care. IND must be celebrated every year. At the core of the celebrations, is an intention - To honour the nurses for their devoted and dedicated services to the society. The Indian Nursing Council declared for all nurses to call as- NURSING OFFICER.

## यदि पेड़ भी बोल पाता

यदि पेड़ भी बोल पाना  
तो समझा पाना अपनी छाहमियत ।  
किनना जरूरी हूँ मैं तुम्हारे लिए  
मुझसे ही मिलना तुमको जीवन।  
फिर भी मुझसे काटने में लगा दिया  
है मानव ! तुमने अपना तन - मन - धन ॥

मुझे मिटाने का यही सिलसिला जारी रहा,  
गे वह दिन भी दूर नहीं जब - जल्दीजे  
अपनी धीठ पर लादकर, काँकरी जन  
का सिलेंछर ॥

काश । सबसे छेसी  
जागरूकता फैल जात  
कि हर दिन मेरे लिए धृश्यती  
और पर्यावरण विवस' मनाया जाए,

चृति शर्मा  
तीसरी 'अ'

## बाल गीत

नीवन में कुछ करना ऐतो मन की मरिमत बढ़ा  
मगे जागे बढ़ा है तो हिम्मत हरे मत बढ़ा  
धरती चलती, तो चलती, पाँड यातार चलता है,  
किरणों का उपहार जाने इरज रोज निकलता है  
हवा चलती तो महक बिल्ले तुम भी प्परे मत बढ़ा  
चलने वाला मंजिल भाता बैठा फीके रखा है  
ठहरा पानी सझेन्माता, बहता निर्मल हीता है,  
आजे - आगे - - - - -

मिन में कुछ करना है तो - - - - -

हेमन दंस  
IV - 1

## दौ को पूँड़ा

एक गाँव में खें दो चोटी,  
चोटी कुरते चारों ओर  
धूँ छिला पीते थे दूध,  
रेह और आठ अमरुद्ध,  
दधु गाँव में थे बदनाम,  
बाणू धने में था नस,  
एकू दिन चौंदहु आनेदार आए,  
ओलहु उनपूरु केभ लगाए,  
अद्धारहु मील दिया धकेल,  
बीसु शाल की हो गई जेल ।

MANSI YADAV  
III-A.

## सर्वनाम से परिचय

सर्वनाम से अवगत होना  
सबको बहुत जरूरी  
नाम लिए बिन करना हमें  
कविता अपनी पूरी !

बद कूदता है गीत झूँझालीं,  
तुमने कहा कहानी !  
उससे बोला था कब हमसे  
ले आना तुम पानी !

किसने तुमसे बोल दिया है,  
शब्द आप पहचानी ।  
सर्वनाम का ज्ञान मिलेगा,  
बात यह पकड़ी जानी ।



## मैं भारत की बेटी हूँ

- अपिता नानामुक - १८

मैं अपनी रक्षा करूँगी,  
मैं अपनी सुरक्षा के लिए तैयार हूँ।  
मैं नहीं डरूँगी, मैं नहीं कुरूँगी,  
मैं अपने अधिकारों के लिए लड़ूँगी।

मैं सेल्प डिफेंस की ट्रेनिंग लैंगी,  
मैं अपने आप को मजबूत बनाऊँगी।  
मैं अपनी सुरक्षा के लिए जिम्मेदार हूँ,  
मैं अपने परिवार और दोस्तों की रक्षा करूँगी।

मैं भारत की बेटी हूँ,  
मैं अपने देश की शान बढ़ाऊँगी।  
मैं अपने अधिकारों के लिए लड़ूँगी,  
मैं भारत को सुरक्षित और मजबूत बनाऊँगी।

मैं अपने सपनों को पूरा करूँगी,  
मैं अपने लक्षणों को हासिल करूँगी।  
मैं भारत की एक सशक्त महिला बनूँगी,  
मैं अपने देश के लिए एक मिसाल बनूँगी।



## Topic भरा लौक - लम्बाकर

Date

लौक एक - दूरपे त कहने हैं, जरा लौच - लम्बाकर करना।  
एक लौक मुहारण ही गाय हैं इते बार-बार दूरपे पर हैं लवला  
हैं कि लौचला और लवलला एक ठी मालालिक, किंगा के ठी पछुले हैं। लैकिन  
लगानी ही पूछते, ती ते कहने हैं, ये ती किसुल अलग बाते हैं।  
इन दोनों में लगाना की फके हैं और ये नै झु ठैनों में बड़ा फके बताया  
है। उक्ह कहने हैं कि लौचला, लवला का जागव हैं तम लौचते ही लवलिए  
हैं, वर्षों कि लग लगहते नहीं। जब लवला आते हैं, तो लौचला किंदा  
ही बात हैं लौचते ही विचार अंदर ही अंदर हूमते रखते हैं। लौचते  
में अलगुला लैल हैं, तक लैल हैं, पिर जी महीं गावत का पता तो चलना  
लौचते ही पुक्त मैंदा लैते हैं, पर उक्ह नहीं मिलते। लवला के लाघ  
कोड़ी पुक्त नहीं, बल्कि उक्ह हीं बर्गोंकि लवला हटया हीं मैंदा लैते हैं,  
लौं ती अंदर हीं हीं एक दीया लव गया, भग्नाक गैजलों हीं गड़ि  
होर यीं लाफ ती गड़ि लवला द्यान ते यैंदा लैते हैं। दयान की  
कला अपको भापी भापी गठरे ले जाते हैं और आप उक्ह जगह  
पुक्त चैंदे हैं, जहा लवला का लगेवर लैल हैं, एक शीतल रखते। वहाँ  
ते जी कुम्बुला उक्ह हैं, वह हैं लम्बा।  
तमाज़ी जगानी के लिए गैंडा कुछ लवय अपने लाश शोंत होकर  
जैंदा लैगा। अकेले मैं चुपचार, बिला किंदी तगाल के, पिर आंखे  
बंद करके अपने भीतर दुबकी लगानी की कीपिया करें। यैंदे - लौं  
सीन चाना लैगा, आप मारेंगे कि कोहि रीजनी ते उक्ह रही हैं।  
उक्ह जी गैंडा केन्द्र हैं, महीं हैं लवला का उथान।

गांधी रिहाई

## संकल्प

तृष्ण हैं संकल्प तो विकल्प, नहीं दृढ़ना भिश्यय

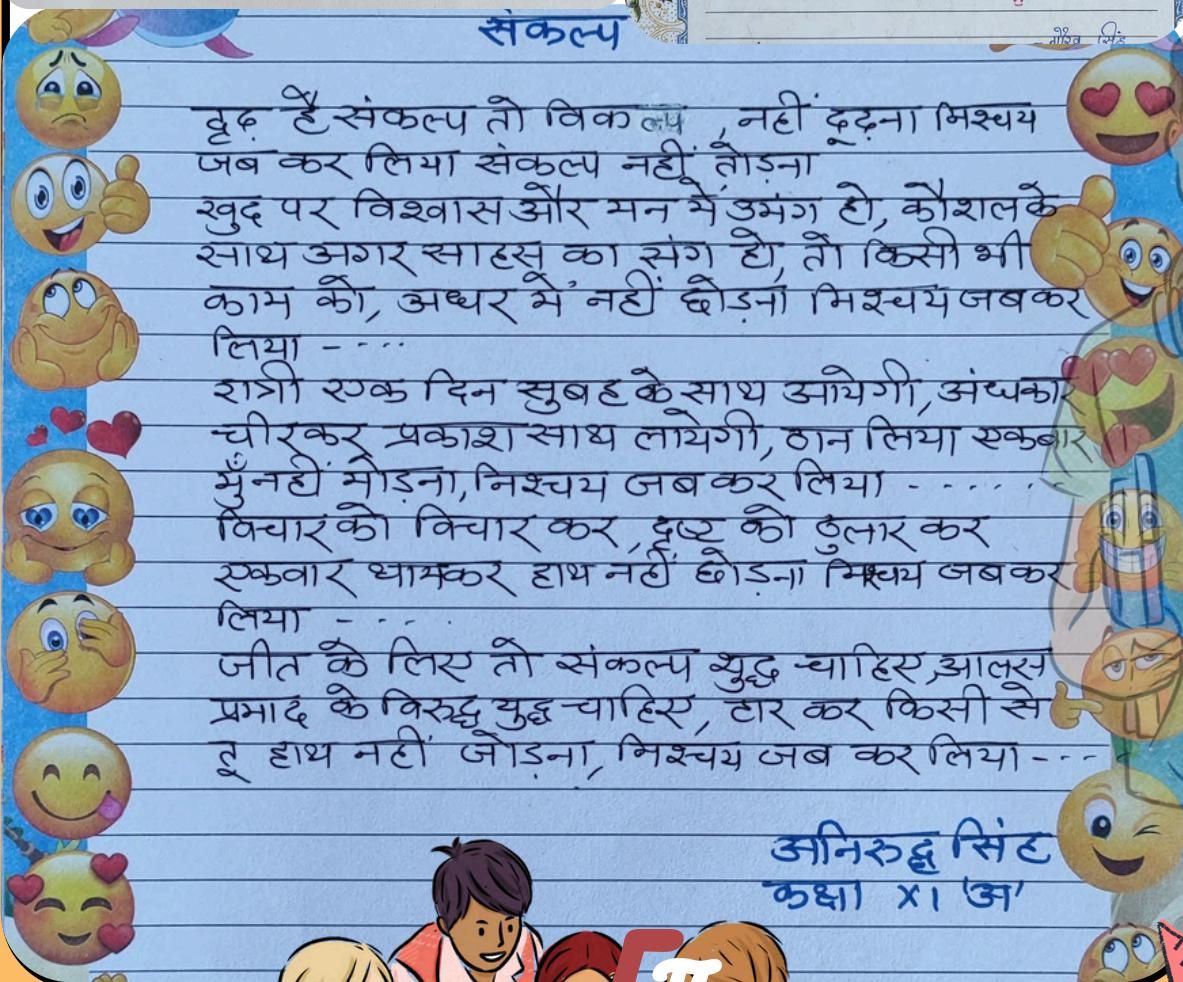
जब कर लिया संकल्प नहीं तोड़ना  
खुद पर विश्वास और मन में उमंग हो, कौशल के  
साथ अगर साहस का संग हो, तो किसी भी  
काम की, अध्यर में नहीं छोड़ना भिश्यय जबकर  
लिया - - -

रात्री रुक दिन सुबह के साथ जायेगी, अंधकार  
चीरकर प्रकाश साथ लायेगी, ठान लिया रुकबार  
मुँह हीं मोड़ना, निश्चय जब कर लिया - - -

विचार को विचार कर, दृष्ट को दुलार कर  
रुकवार धारकर हाथ नहीं छोड़ना भिश्यय जबकर  
लिया - - -

जीत के लिए तो संकल्प युद्ध चाहिए, आलस  
प्रमाद के विरुद्ध युद्ध चाहिए, टार कर किसी से  
तु हाथ नहीं जोड़ना, निश्चय जब कर लिया - - -

अनिरुद्ध सिंह  
कक्षा XI अ'



## चिरेया

नहीं - नहीं पारी निंया।  
आओ - आओ नारी निंया॥

सुप्त ने कर दी लड़ाई  
दृष्टि पर बड़ी शर भजाई॥

विषणु जग के का है अंया॥

मुम जब किस तरह आजोयी  
जलती दृष्टि जलाएगी,

मैं नहीं हमारे चर छैया॥

मध्ये चढ़ो गो मतवी  
आ जाओ न गरी बरी

मारो नहीं ढुमको अंया॥

शानु ने विखराए दाने  
आओ न बाने खाने

नामु नायता धमक भैया॥

दानी - दानो मैंज मर्वया॥

आओ - आओ नहीं चिरेया॥



## आई बहने

दैरीं प्यार लिर बैनों में,  
जलने आई हैं।

बोली बन्दून घाल भजाकर,  
सुना में लाठ हैं।

बोल बक्कल भिल भगाकर,  
हैं नामता विखराए।

गाकर गीत, प्यार - अपनापन,  
देखो मीत लुटाइ॥

परियानों ने लगता छेंये,  
परिया आई हैं॥

भठया ने जब किया उन्हें,  
देह जारा उपहर

बोली बहनों द्वार भेजाए नीं,  
थामो तुम पतवार॥

दुष्ट ना आए पास, दुआए  
जैने जाइ हैं॥

गागरी चौंधर  
7<sup>th</sup> A

लिपिका - चौंधरी

7<sup>th</sup> A.

Teacher's Signature

## कविता: छोटी सी जिंदगी है

छोटी सी जिंदगी है,  
दूर बात में चुश रहो  
जो येहरा पास ना हो,  
उसकी आवाज में चुश रहो,  
कोई स्वर द्ये तुमसे,  
उसेक छस अंदाज में भी चुश रहो,  
जो लौट के नहीं आने वाले,  
उन सम्हों की आद मे चुश रहो,  
कल किसने देखा है,  
अने आज में चुश रहो,  
चुशियों का इंतजार किसविष,  
दूसरों की मुस्कुन में चुश रहो,  
कर्जू तडपते हो दूर पल किसी के साथ को,  
ठभी तो अपने आप में चुश रहो,  
द्योटी सी तो बिंदगी है,  
दूर दाल में चुश रहो।



## प्रकृति (कविता)

दृष्टि - मारी यह सूक्ति है।

दृहे - सहे यह वैत

दंत - बिंद्रों फूल

यह चबूत्री चिड़ियों का गीत  
उड़ती हुई मध्य प्रार्थि तिरातियाँ।

सक फूल से दूसरे फूल

मर दृती फूलों में अनेक दंग

पठ शहरीं में है प्रदूषण

और शहरीं में यह सूखि हुई नदियाँ,

फैंकटियों का यह गंदा कचरा

पर्यावरण की करता हैं गंदा

लैकिन हमै इसके बिषाक बड़ना हीगा,

हमें प्रकृति की सुंदरता की बचाना हीगा,  
और आने वाली पटियों के लिए एक

सुन्दर भविष्य बनाना हीगा।

चलो हम जितकर प्रकृति की रक्षा करें,

और हसकी सुंदरता की बनाए रखें

चलो हम पैद लगाएं, पानी बचाएं

और प्रकृति की सुंदरता की।

हमेशा कै लिए बनाए रखें।

नामः भाविका सोनी  
कक्षा : १X - 'अ'  
सदनः अशोक

नामः प्रिया - मीणा  
कक्षा : १X - 'अ'  
सदनः अशोका



TOPIC..... लर्निंग

Date : .....

## हिन्दी भाषा के सुनम्

वर्णमाला हिन्दी की वैज्ञानिक मनभावन ।

१३ स्वर, ५७ व्यंजन, ९ अक्षर, इसमें बावन ॥

कोई भी ही नाम उगरते, संज्ञा वह कहलाता ॥

संज्ञा के बदले जो आता, सर्वनाम बन जाता ॥

कोई भी हो काम उगरते, क्रिया उसे हम कहते ॥

जिनका रूप कभी न बदले, अव्यय शब्द होते ॥

पुरुष जाति का बोध करते, शब्द कहलाते 'पुलिंग' ॥

स्त्री जाति का बोध करते, शब्द वही 'स्त्रीलिंग' ॥

पंख्या में ही एक ऊकेला हीता 'एकवचन' ॥

उगर एक से ज्यादा हीती, बनता 'बहुवचन' ॥

जिन पुरुष हिन्दी में हीते, उत्तम, मध्यम, अन्य ॥

उत्तम में हूँ, मध्यम तुम ही तीसरा हीता अन्य ॥

जिन शब्दों का अर्थ एक सा, पर्यायवाची शब्द ॥

एक दूसरे से जो उल्टे, हीते विलोम शब्द ॥

हिताक्षी शर्मा, IV A

Design - C-120



# माँ तु कितनी अच्छी है

माँ तु कितनी अच्छी है,  
मेरा सब कुछ करती है।

भूख मुझे जब लगती है,  
खाना मुझे खिलाती है।

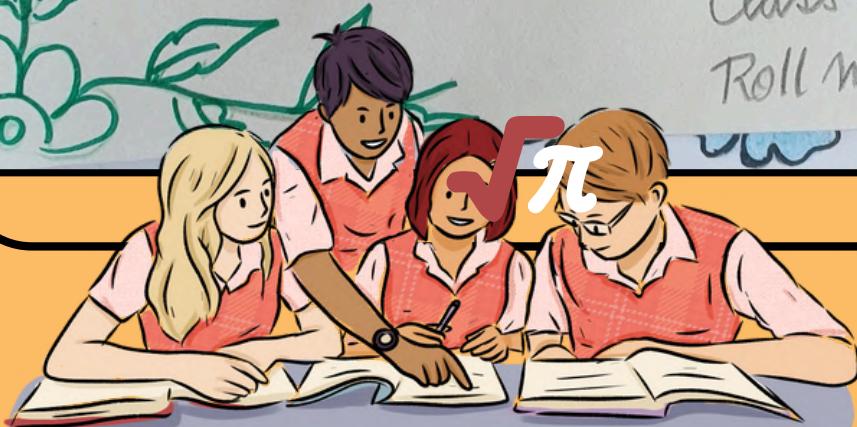
जब मैं गंदा होता हूँ,  
रोज मुझे नहलाती है।

जब मैं रोने लगता हूँ,  
चुप तु मुझे करती है।  
माँ मेरे भिन्नों में सबसे,  
पहले तु ही आती है।

Arjun Sharma

Class = III - B

Roll no = 2



# मधुराष्ट्रकम्

अद्यरं मधुरं वर्णं मधुरं नरनं मधुरं दृसितं मधुरम्।  
हृदयं मधुरं गमनं मधुरं मधुराधिपतेरविलं मधुरम्॥१॥  
वर्चनं मधुरं-परितं मधुरं वर्चनं मधुरं वलिं मधुरम्।  
वलितं मधुरं अभितं मधुरं मधुराधिपतेरविलं मधुरम्॥२॥  
वैषुर्मधुरा रैषुर्मधुरः पाणीं मधुरौ।  
मूर्खं मधुरं सरखं मधुरं मधुराधिपतेरविलं मधुरम्॥३॥  
शीतं मधुरं वीतं मधुरं भुवतं मधुरं सुतं मधुरम्।  
कूपं मधुरं विलं कं मधुरं मधुराधिपतेरविलं मधुरम्॥४॥  
करणं मधुरं तरणं मधुरं हरणं मधुरं रमणं मधुरम्।  
वभितं मधुरं शाभितं मधुरं मधुराधिपतेरविलं मधुरम्॥५॥  
गुजरा मधुरा माला मधुरा धमुना मधुरा वीची मधुरम्।  
सलिलं मधुरं कमलं मधुरं मधुराधिपतेरविलं मधुरम्॥६॥  
बौपी मधुरा लीजा मधुरा थुकं मधुरं मुकं मधुरम्।  
दृष्टं मधुरं धृष्टं मधुरं मधुराधिपतेरविलं मधुरम्॥७॥  
बौपा भधुरा गाढा मधुरा विष्विर्मधुरा भुष्टिर्मधुरा।  
ठहितं मधुरं प्रतितं मधुरं मधुराधिपतेरविलं मधुरम्॥८॥  
श्रीबलाजाचार्य-कृत मधुराष्ट्रकम्



# श्रीराममंदिरम्

"श्रीमी विश्ववान् धर्मः तृष्णं मंदिरमाकृपः।  
तत्र तिष्ठति रामस्य दर्शनात् पापमात्रपात्॥"

उत्तरः- "श्री जी धर्म के श्वरूप है, उनका मंदिर अनका निवास प्लान है।

उस मंदिर के द्वारा श्री जी विश्ववान हैं, और उनके दर्शन से पाप नष्ट हो जाते हैं।"



श्रीराममंदिरं पवित्रं पुण्यं च।

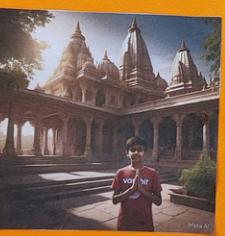
त्रापेष्याप्य श्वितं श्रमस्य जन्मस्यान्  
तत्र रामलक्ष्मीं तिष्ठतः।  
दर्शनात् पापं नवयति॥

श्रीराममंदिरश्य अट्टन् वर्णनीयत्।

तत्र रामायणं पठन्ते।

रामस्य परित्रै शृणतो पापं नवयति॥

तत्र श्रीवा कृत्वा पूज्यं लक्ष्यते॥



राममंदिरं भारतस्य अक्षरप्रदेश  
रामपूर्णे द्विष्टतम् आस्ति।

रामर्थं निष्ठलभान्तेष्व अस्ति।  
रामलक्ष्मीं १८६ एकड़ब्लूओं विश्वस्त  
अस्ति।

राममंदिरं स्तोत्रं पुष्टोत्तम् शास्त्रं  
अस्ति।

राममंदिरं निष्ठलभान्तेष्व अस्ति।  
रामलक्ष्मीं १८६ एकड़ब्लूओं विश्वस्त  
अस्ति।



नामः = विष्वितः  
कृत्वा = नृ(ज) लक्ष्यते

## प्रेषणस्यद् इत्येत

नास्ति विद्या समं चम्भु

नास्ति सद्य समं तपः।

नास्ति राग समं दुखं

नास्ति त्यग समं सुखं॥

काकः कृष्णः पिकः कृष्णः

को भेदं पिककाकयोः।

वेसन्नसमेयं धापं काकः।

काकः पिकः पिकः॥

"भाता शाश्वतः पिता वैरी

थेन बालो न धातितः।

न शोभते समामध्ये

हृसमध्ये बैकी धथा॥

अदिंसा परमो धर्मः

द्यमिहिंसा तथैव-पः।

नास्ति मातृसमाधाय, नास्ति मातृ-  
थदा धदा हि धर्मस्य  
समा गतिः।

हृलानिभविति भास्तु।

नास्ति मातृसमं त्राण,

अभ्युत्थानम् धर्मस्य

नास्ति मातृसमा पिया॥

दक्ष भलवाला  
कक्षा - द्वा-B

विषय - संस्कृत

आर एन एस  
टी पी ई सील

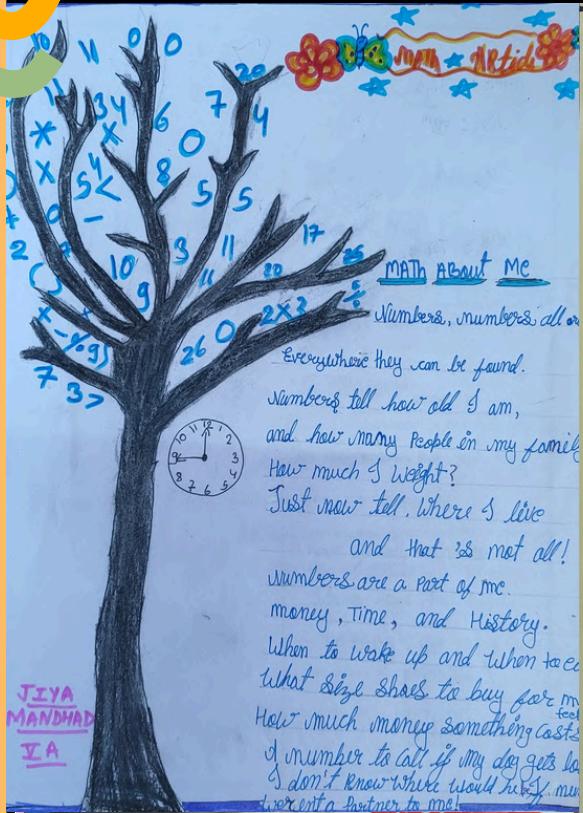
## नैतिकबलस्य प्रभावः

(कहानी)

महाकाशेनः प्रस्तुः अमरम्। पाइप्पाणी राजा - भग्यवाणी समाप्तं अपारा  
सारपं गी प्रायवदेतः। तद्गत्वा तेवा विनीतः शर्वन् प्रस्तुना दुमोर्छेन:  
तेजान् एवत्तर वज्रते न शहत्। अतः तेषा बालं कर्त्य कारणीयं  
इति सः बहुदा जर्वितवतः। अत्येकं वाचित् दृष्ट्योजनं तेव  
वालः। ता गोलां दृष्ट्याद्यौ वक्तुं अः तद्यमं प्रकोष्ठं गतवल्पं  
तद्यम्भे तत् विद्युत्याद्यादेः सम्भावया प्रचलत् आसीद्।  
दुमोर्छेन धृत्याद्यै केमापि दानुकृतवा ततः विगग्नवाक्। कर्त्यान्  
कालः अर्तीताः। शम्भ शोला श्रावणीया इत्यत्र दुर्योदितस्य  
गहना इत्यत्ता। अतः सः पुरापि दृष्ट्याद्यौ सकोष्ठं गतवल्पं  
तदा आपि विद्युत्युपग्रहयो भग्यवाणं प्रचलत् आसीद्।  
दिवीमारात् दृष्ट्याद्यै आगमनं हक्षा दृष्ट्याद्यैः अलदत-

"कृत ! श्रावणं किमपि वक्तुम् इत्यते इति आसीत्। तत्र उपयत्तम्  
विद्युत्याद्यैः शम्भः एव। अतः तद्यमं पुरापि किमपि उपयत्  
चर्याति न विवारे लालोः;" इति। "अहं पुरापि उगामिव्यामी" इति  
उत्तराः विगग्नेन दुमोर्छेन विद्युत्याद्यैः गमनस्य अवतरं कुरुते  
दृष्ट्याद्यैः प्रकाश्य अग्रातवात्। वदा दृष्ट्याद्यैः अपदत्त्वा-  
"किमपि वक्तुम् इत्यता त्वया द्विवारं मम् नकोष्ठं प्रति आगतम्  
आगमेत्। किंतु विद्युत्याद्यै उपयत्तेः कारणतः त्वया लिमापि  
न उपयत् इति आपि। त्वया वक्तुम् इत्यः सः विषयः कः ?"  
इति। तत् शुलु दुमोर्छेनः अवदत् - "पापदत्यादेः विनीतः;  
विवारणाय श्रावणं किञ्चन उपायः विनीतः। स्त्री वामप्रीतिवदेः  
विवारणां चित्तवा विद्युत्याद्यै उपायेन गमनस्य भेदेन विवारणां  
जितः रथं प्राप्तिगतम् ममा" इति। दानकालस्य भेदेन विवारणां  
दृष्ट्याद्यैः अवदत् - "त्वय कर्त्यां वासित्वम् एव। नमापि अपमेव  
अनुभवः। विद्युत्याद्यै उपायेन दृष्ट्यत्तानि नवायेन उपदत्त्वाते  
स्व। अशुभिष्यद्यिकत ऋष्यं पुरापि लक्ष्याद्यादेः तु न  
शक्तानि अहमपि। विद्युत्याद्यै नैतिकबलात् शेषित्वात् भग्यवाणी  
आधिकारवदेतः। शेषित्वात् भग्यवाणी विवारणां विवारणां शेषित्वात्  
विनीत नैतिकबलात् विवारणां विवारणां विवारणां शेषित्वात् भग्यवाणी  
दुमोर्छेन समाधित भग्यवाणी। शेषित्वात् भग्यवाणी इति वदतीता  
कृतिवित्तानि कोतीती, शेषित्वात् भग्यवाणी इति वदतीता  
कृतिवित्तानि कोतीती, शेषित्वात् भग्यवाणी इति वदतीता





## MATHS IN SPORTS

### BASKET BALL

Breadth of board = 72 inches  
Length of board = 48 inches  
Radius of rim = 9 inches  
Diameter = 18 inches  
Height = 10 ft = (3.05m) from the court

Size 6 Basket Ball =>  
Weight = 20 oz  
Circumference = 28.5 inches  
Radius = 9 inches = 2.25 cm  
Circumference = 56.52 cm

[According to age of players, balls are decided. We take average age Boys 12-14 & Girls 12+  
(Ball name size 6)  
Ball of Basket Ball

Solutions over here;  
Equations over here;  
Mathematics Everywhere

Name: Geet Singh  
Class: IX A  
House: Shivaji

### Lines of Symmetry! Lines of Symmetry!

We're in line to ride the Ferris wheel, A circular shape made out of Steel.  
Before we ride we try to decide, Where a circle's lines of symmetry hide.  
Line the centre, have the symmetry, So each circle has infinity!  
Each line upon further inspection, Creates a perfect mirror reflection.  
Everywhere we look, we see.

Lines of Symmetry! Lines of Symmetry!

At the pirate ship we wait our turn, This ride can make our stomach churn.  
A line from the axle to the ground, Is one line of symmetry to be found?  
Identical parts, facing each other, Have symmetry with one another.  
Lines of symmetry evenly divide; Let's find symmetry on every ride.  
Everywhere we look we see.

Lines of Symmetry! Lines of Symmetry!

E 1 line of Symmetry  
circle  
Square  
by axis of Symmetry



### MY FAMILY

Some family are big  
Some family are small  
Families are different  
And we love them all.

Some have mothers  
Some have fathers  
Some have sisters and  
Some have Brothers

It's like a small family  
They are sweet  
They are caring  
With a lots of love.

$\sqrt{\pi}$



**VANTARA**

I Ripunjay the student of class 11, going to give tiny description of "VANTARA". A man of kind heart Mr. Arant Ambani which provide a hub to wildlife. The name "Vantara" means "Van" as forest, "Tara" as star meant Vantara seems as Star of forest. In this hub the species which are endangered such as: Tigers, Chinkara, Black Deer, Black Jaguar, Black Ostrich etc. Vantara is hub for all these animals its not a zoo, it situated in Jamnagar (Gujarat) professional chefs, trainers, guides etc. are handling the Vantara. 10-12 Jaguars are save or rescue by team 20-25 Tigers, 50-60 crocodiles etc. and many more animals are also. A special dish is prepared by chef for elephants which is "Khichdi" the ingredients in "Khichdi" are dry fruits, fruits, pulses etc. many more things also. In all In am not shell the Ambani family shows a kind gesture towards animal, which increase the love feeling towards animal and save endangered species, because animals balance the ecosystem of earth. For the balance of ecosystem. We need to conserve energy, animals, plants, insects and other species, we are very thankful to nature to give such a beautiful planet.

Thank You

Name = Ripunjay Singh Gurjar  
Class = 11th

**Topic I Dream A World Date**

I Dream a World where man  
No other man will scorn,  
Where love will bless the earth  
And peace its paths adorn  
I dream a world where all  
Will know sweet freedom's way,  
Where greed no longer saps the soul  
Nor avarice blights our day.

A world I dream where black or white,  
whatever race you be,  
will share the bounties of the earth  
And every man is free,  
where wretchedness will hang its head  
and joy, like a pearl,  
attends the needs of all mankind—  
of such I dream, my world!

✓ Shardo Choudhary  
XI

## GRAMMAR IN A NUT SHELL

A noun is the name of anything  
A school, or garden, hoop or swing.  
Adjectives tell the kind of noun,  
As great, small, pretty, white, or brown.  
(Three little words you often see I  
are articles - an, a, and the.)  
"In place of nouns the pronouns sit -  
She went, you said, we laughed, it hit."  
Verbs tell of something being done -  
To read, count, laugh, sing, jump, or run.  
How things are done the adverbs tell,  
As slowly, quickly, ill, or well.  
Conjunctions join the words together  
As men and women, wind or weather.  
The prepositions stand before  
A noun, as in or through the door.  
The interjections show surprise  
As Oh! How pretty! Ah! How wise!  
The whole are called the eight parts of speech.  
Which reading, writing, speaking teach.

RUDRA SINGH  
III-A

## OUR TEACHERS

I always love class  
teacher, helps me to see:  
That to have a happy life,  
learning is the key.

I'm grateful for your wisdom  
for the teacher that you are,  
you're a very good person,  
And as a teacher, you are a  
Star.



SOMYA  
PANDEY  
III-A



# MY GRANDMOTHER

My grandmother is the best  
Sometimes she also take my test  
She took me out for aouting  
And we also did fishing  
She cooks delicious food for me  
She also tells me a story which has  
a moral lesson in it  
She plays snake and ladder  
game game.  
But she is very afraid of real  
snakes.

Izhar Ali  
VI A

## ? RIDDLES ?

What goes up and  
Down without  
Moving



The Temperature

I can fly without  
wings, And cry  
without eyes  
what am I?



A Cloud

What has teeth  
but Can't bite?

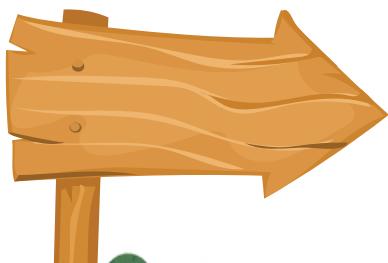


A Comb

You may enter, but you may  
Not come in  
I have space, but no room.  
I have keys, but open  
to lock. what am I?



A Computer



## Article Writing

### IMPACTS OF TV HABITS OR READING (By Sakshi)

Television has become the most popular source of entertainment these days. Young children are fascinated by it. They are quite familiar with TV serials, their stars and the intricacies of their plots. The greatest casualty is of course reading. A study of the graph showing the time spent on watching TV and on reading amply supports my contention. Twenty years ago a kid would spend 9-10 hours daily on readings. The number of hours devoted to reading have steadily declined and reached the pathetic figure of two hours a day. On the other hand, TV watching which occupied only two hours then now hold us captive for 8 to 10 hours per day. The need of the hour is to promote reading habits among students. A love for reading adventure stories, science fiction etc. has to be cultivated. Children's magazines may help to develop and sustain their tastes. Parents must exercise restraint on themselves. They are role models for their children. They must read books instead of watching TV, thereby setting an example for their children.

BLUE JAY®

Design - C-120

## ARTICLE ON FRENCH REVOLUTION.

The French revolution (1789-1799) was a major turning point in French and world history. It was sparked by widespread social, economic, and political issues, including inequality, high taxes, and France's financial crisis.

### Causes:-

- Social Inequality:- French society was divided into three estates: the clergy (first estate), nobility (second estate), and common people (Third estate). The Third estate, though the largest, had the least power and bore the most taxes.
- Economic problems:- France faced heavy debt from wars and the extravagant spending of King Louis XVI. Poor harvests and food shortages worsened the suffering of common people.
- Enlightenment Ideas:- Philosophers like Rousseau and Voltaire promoted ideas of liberty, equality, and democracy, inspiring the people to demand change.
- Lack of leadership:- King Louis XVI's inability to solve the crisis caused public dissatisfaction.

It abolished feudal privileges and promoted democracy. Though it led to future revolution and helped in the formation of a constitutional and a socialist government.

e:- Vikrant Singh Roll no:- 46 Class:- 9<sup>th</sup> A

## GRAMMAR IN A NUTSHELL

A noun is the name of anything as school, or garden, hoop, or swing.

Adjectives tell the kind of noun.

As great, small, tall, white.

(Three little words you often see are articles - a, an and the).

"In place of nouns the pronouns sit - She went, you said, we laughed, it hit".

Verbs tell of something being done - To read, count, laugh, sing, jump or run.

How things are done the adverbs, As slowly, quickly, ill or well.

Conjunctions join the words together. As men and women, wind or weather.

The prepositions stand before A noun, as in or through the door.

The interjections show surprise As Oh! How pretty! Ah! How wise!

The whole are called the eight parts of speech, Which reading, writing, speaking teach.

Name = Tanishka Meena

Class = 12 A

House = Bagore.

## The Earth's Cry

The skies once clear now wear a haze,  
Forests last in burning blaze.  
Rivers murmur, oceans rise,  
A warning echoed through the skies.

The world we know is shifting fast,  
The future shaped by choices past.  
But hope remains - a guiding star,  
In every hand, heat and far.

Plant the seeds, protect the land,  
The Earth's fate rests in every hand.  
Together strong, we'll turn the tide,  
Restore the beauty, far and wide.

- ANIKA SHARMA  
XII - A



# Time,

Decides who you meet  
in your life.

# Behaviour,

Decides who will stay in  
your life.

# Heart.

Decides who you want  
in your life.

NAMAN MEENA  
II B.

## Why God Made Teachers

When God Created teachers, He gave us Special friends, To help us understand his world And truly Comprehend the beauty and the wonder of everything. We See And become a better person With each discovery. When God created teachers, he gave us special guides, To Show us ways in which to grow. So, we can all decide → how to live and how to do - what's right, instead of wrong - to lead us, so that we can lead And learn - how to be strong. When God Created teachers, In his wisdom and his grace, Was to help us learn, to make our world → A better wiser place.

NAME = Charvi Sharma

CLASS = II A

ROLL NO = 6

## Nature

Oh wonderful nature,  
You are so beautiful.

With green trees,  
And humung bees.  
The grass is so green,  
And water is so clean.

Birds fly in the sky,  
And mountains are so high.  
The wandering butterflies,  
Make my thoughts fly.  
The waterfalls are so cool,  
Just like a swimming pool.  
I love nature very much,  
God give us this feature.



## My Dear School

My school is like a second home,  
Where I learn, laugh and freely roam.  
Friends and teachers, kind and bright,  
Fill my days with joy and light.

Books and lesson, games & fun,  
Every day, a new one began.  
Oh, my school, so dear to me,  
A place of dreams and memories.



Pritam Kosevi  
II-A



## MY EXPERIENCE WITH SPECIAL EDUCATOR

BY SWATI MEENA (SPECIALY ABLED CLASS VIIIB)

I AM SWATI MEENA OF CLASS VIIIB . A GIRL WHO HAVE DREAMS IN LIFE . I WANT TO EXPLORE WORLD . I NEED ADVENTURE . I LIKE TO PLAY AND DANCE . I LOVE TO DANCE .

YES I AM SPECIALY ASSISTED WITH SPECIAL EDUCATOR OF MY SCHOOL WHO IS SHRI BHARAT SHARMA . HE HAS HELPED IN PROVIDING KNOWLEDGE . HE PLAYED CRICKET , HOCKEY AND SOMETIMES KHO KHO WITH ME . I ENJOYED HIS SESSION . I COULD READ AND WRITE AND UNDERSTAND HOW TO GIVE EXAM . .

I AM GLAD THAT I AM TAKING PARTS IN MORNING ASSEMBLY WITH MY OTHER CLASS STUDENTS .

3 DEC IS THE WORLD DISABILITY DAY . THIS DAY WE PREPARED BEAUTIFUL PROGRAM AND WE PERFORMED DURING THE MORNING ASSEMBLY . THANKS TO OUR SCHOOL AND SPECIAL EDUCATOR DUE TO WHICH I AM ABLE TO PERFORM MY DREAM . SOME MEMORIES ARE HERE WITH MY TEACHER .

A SHORT POEM FROM MY HEART  
MY SMILE BRIGHTENS UP MY DAY  
MY COURAGE OVERCOMES MY HURDLES  
MY CLASS 7B IS MY STRENGTH  
MY HARDWORK AND MY DREAMS  
WILL FILL MY LIFE WITH JOY AND HAPPINESS



Topic \_\_\_\_\_

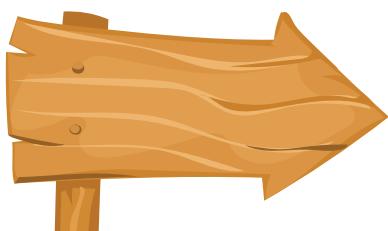
Date \_\_\_\_\_

### My Visit to Science Park

→ by ISHAN VERMA - 7B.

Recently I went to a science park located in vidyadhar Nagar , Jaipur with my classmates . It was a great experience . My classmates really enjoyed the fascinating things we had never seen before . We understood many things that were related to science , Maths , astronomy , chemistry , biology , physics etc . There were many physical models of difficult concepts which were made easy by using them . Apart from this , our return and depart was really informative too . Our teachers explained us the different topics and concepts there . We also clicked many photographs there . We also enjoyed our lunch . Everyone in my had bring different food items . There was also a playing area . Our whole class played there , but we got really tired from doing so . At last we had a tour in which we were shown a projection and a complete understanding of our solar system . The most exciting part about it , that we were watching it in a dome like structure . The projection lasted long and we learnt many things from it . At the end we were given snacks as refreshments . I really hope that we can get more opportunities like this in the future .

Citizen Design-61



**FACTS ABOUT GEOGRAPHY**

- Mount Everest is the highest mountain on the Earth. It stands at 8,848.86 meters (29,031.7 feet) above sea level and is located in the Himalayas on the Nepal-Tibet border.
- The Sahara Desert is the largest hot desert in the world. It covers about 8.5 million square kilometers (almost the size of China or the U.S.A.).
- The Amazon Rainforest produces about 20% of the world's oxygen. It is often called the "lungs of the Earth" and is home to millions of plant and animal species.
- The Dead Sea is one of the saltiest water bodies on Earth. It has a salinity of about 34% and is so dense that people can float without sinking.
- Greenland is the largest island in the world. It covers about 2.16 million square kilometers, but most of it is covered in ice.
- India has the world's second-largest population.

Name: Vikrant Singh Roll no.: 46 Class: 9th A (Bansal)

**FACTS ABOUT CIVICS**

- India is the world's largest democracy, with a parliamentary system of government.
- The Indian Constitution was adopted on November 26, 1949 and came into effect on January 26, 1950.
- Fundamental rights (Article 12-35) include right to Equality, Right to Freedom, Right against exploitation, Right to freedom of religion, cultural and education rights, and Right to constitutional remedies.
- The three branches of government—Legislature (make laws), Executive (implements laws), and Judiciary (interprets laws).
- Universal adult franchise (right to vote for all citizens above 18) is a key feature of Indian democracy.
- Independent Judiciary ensures justice and protects fundamental rights.

Signature: \_\_\_\_\_

Name: Sumit Meena Roll No.: 46 Class: IX A

# -Fun Facts-

- There are at least 6 people in the world who looks exactly like you. Only 9% chance to meet them.
- The Mona Lisa has no eyebrows.
- "I am" is the shortest complete sentence in English language.
- Once Ketchup was used as a medicine.
- Australia is wider than the moon.
- Alessandro Volta invented Battery

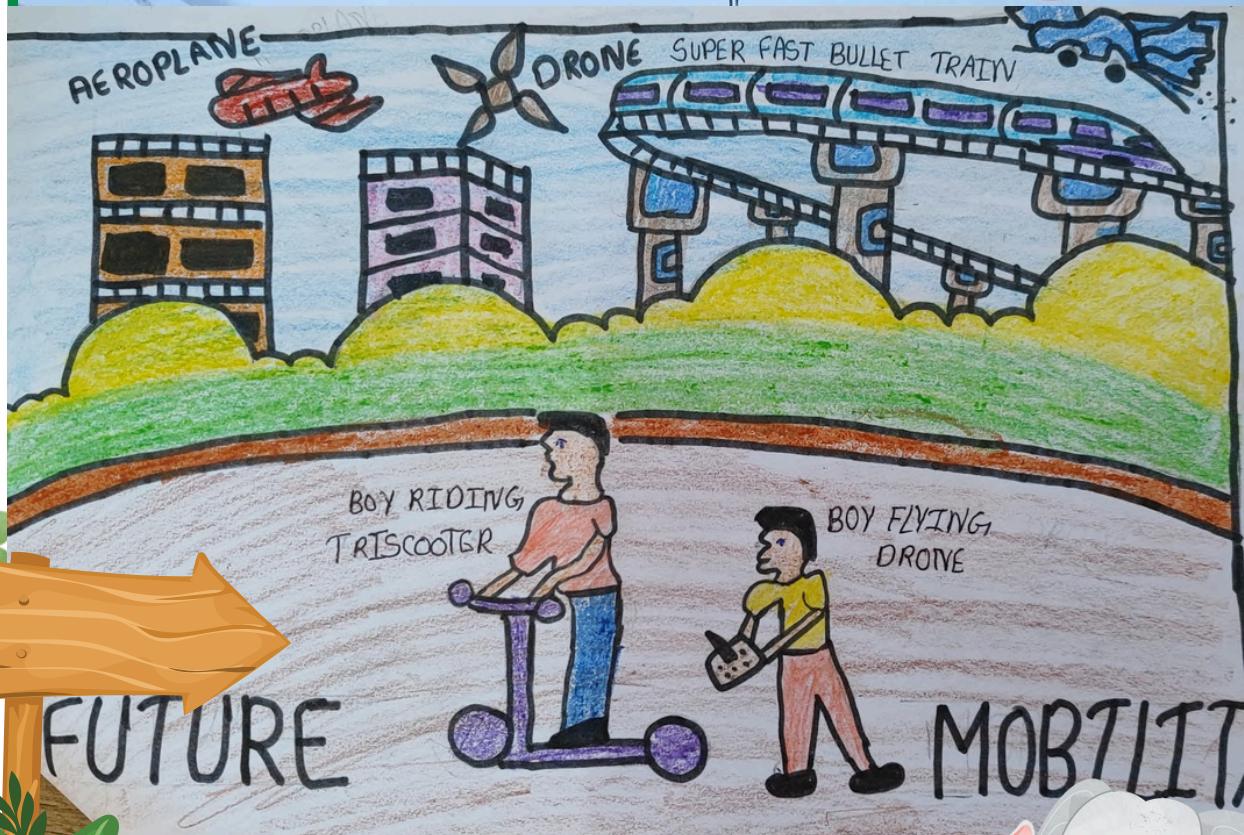
-Lovely Bhat  
Class 7th A

HEALTHY FOOD	UNHEALTHY FOOD
Egg	Carrot
Milk	Burger
Rice	Ice-cream
Fish	Chocolate
	Frenchfries
	Pizza
	Cold drink

1. Healthy food is really important for our body
2. Healthy food gives us a healthy life.
3. My favourite food Apple.

1. Junk food is not a healthy food.
2. Junk food is very bad for health
3. Junk food is very harmful to our health

SOMVEER  
II B





**Endangered animals**

Red Panda  
Chimpanzee  
Elephant  
Tiger  
Rhino  
Kaziranga Deer

Parvati Mehta 4th July

**NATIONAL SYMBOLS OF INDIA**

FLAG  
HOCKEY  
PUMPKIN  
MANGO  
PEACOCK  
TIGER  
RUPEE  
LOTUS  
BANANA

Bhanu Silu - 4th A Roll No. 08

**Butterfly**

Butterflies are beautiful creations of nature that along with the moths, make up the insect order Lepidoptera. Butterflies are almost worldwide in their distribution and are highly sensitive indicators of the health of the environment and play vital roles in the food chain as well as being pollinators of plants.

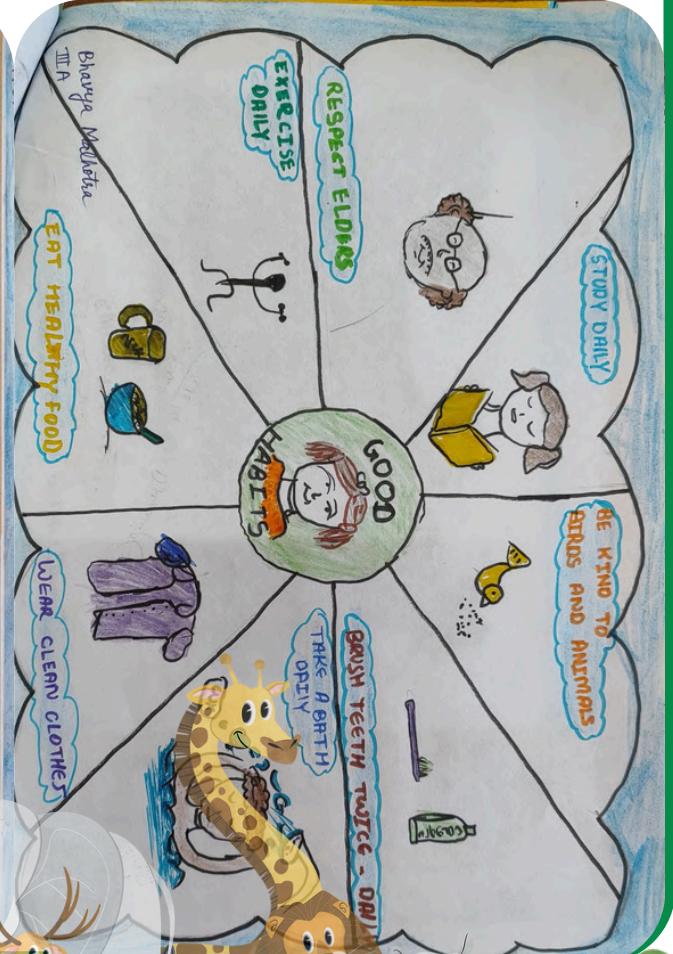
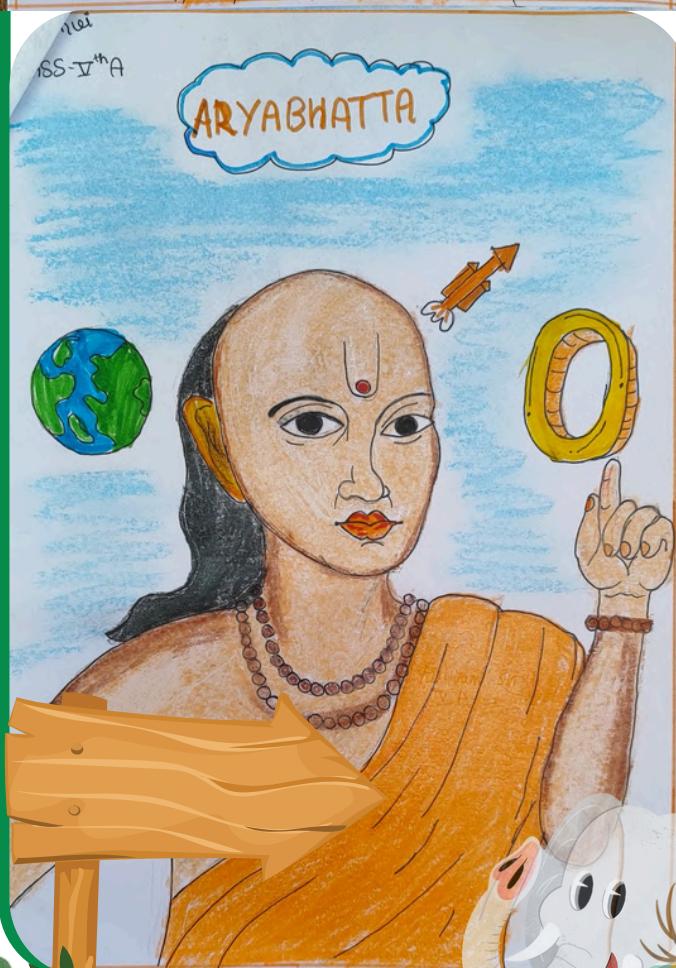
KHUSHI CHADHA

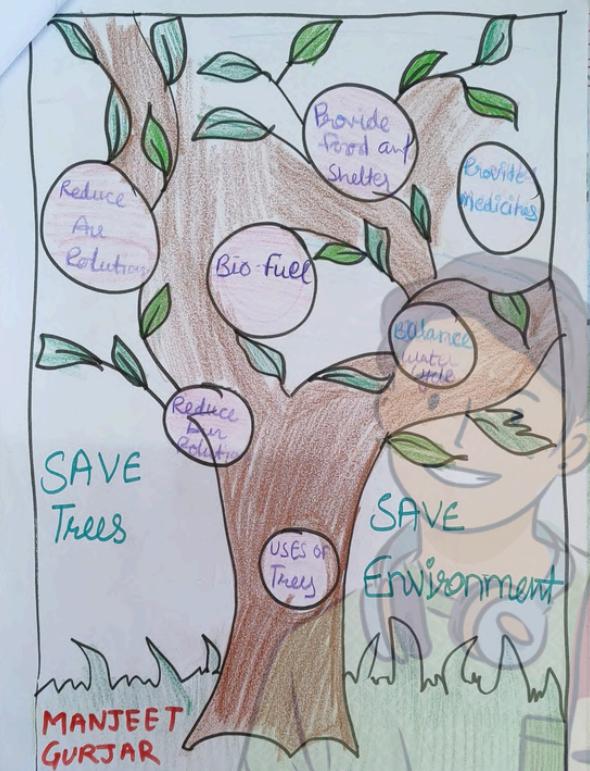
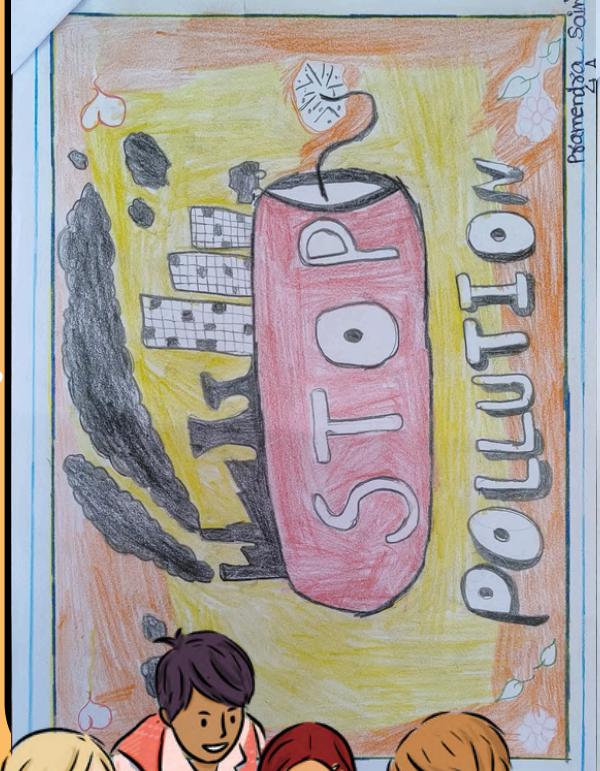
**CHANDRAYAAN**

1. Chandrayaan is a series of lunar space probes launched by India's space Research organization (ISRO).  
2. The name Chandrayaan comes from the Hindi words "Chandra" (moon) and "yaan" (Vehicle).  
3. Chandrayaan-3 was launched on 14 July 2023.  
4. Chandrayaan-3 was landed on 23 August 2023 on the southern pole of moon surface.  
5. India is the only country to reach this part of the moon, so far.

TUSHITA KADAM

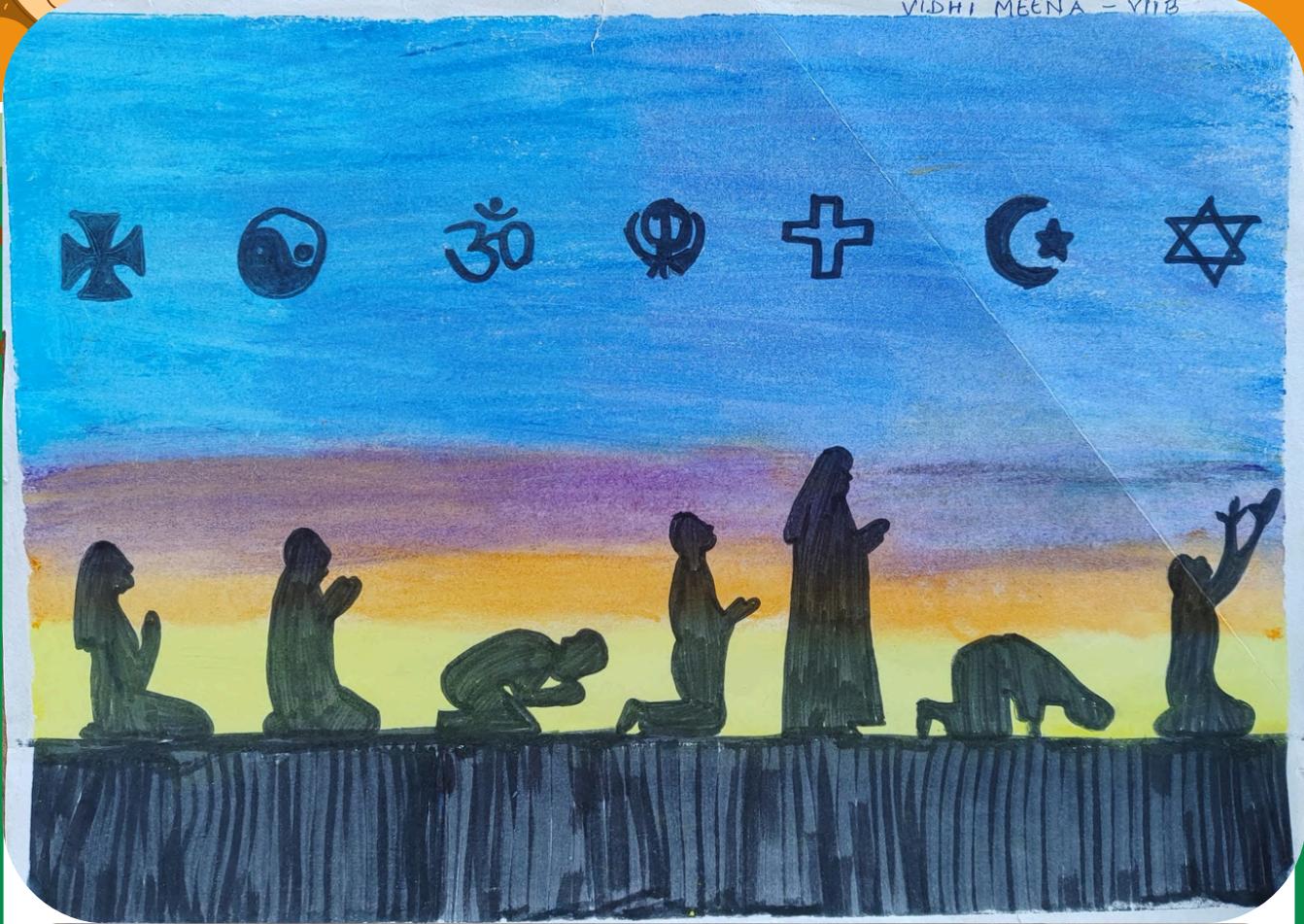






$\sqrt{\pi}$

VIDHI MEENA - YIIIB

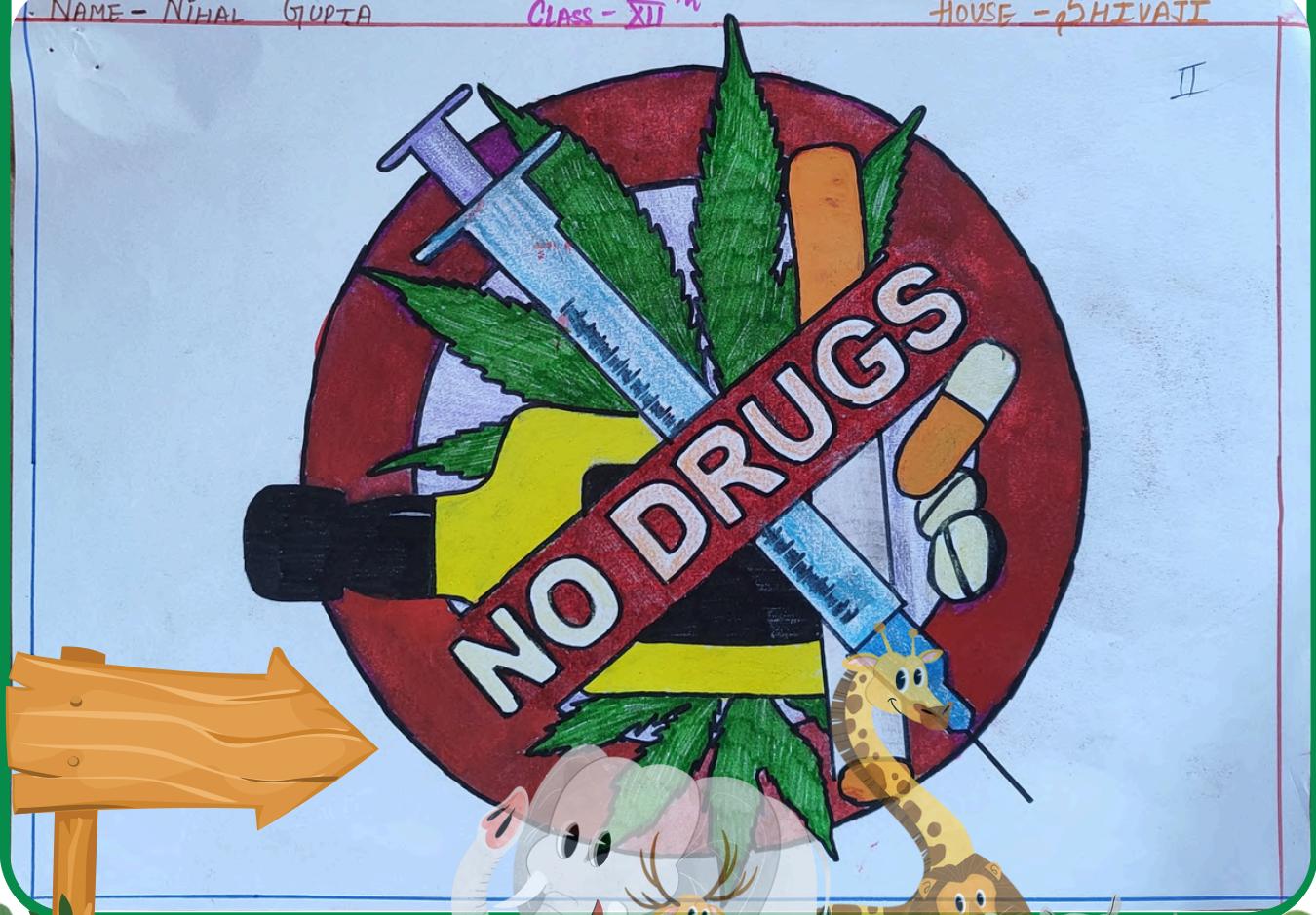


NAME - NIHIL GUPTA

CLASS - XII<sup>th</sup>

HOUSE - SHIVAJI

II





Name - Vivek Meena

Class - XII<sup>th</sup>

House - SHIVAJI



ASHISH PRAJAPAT  
IX-A

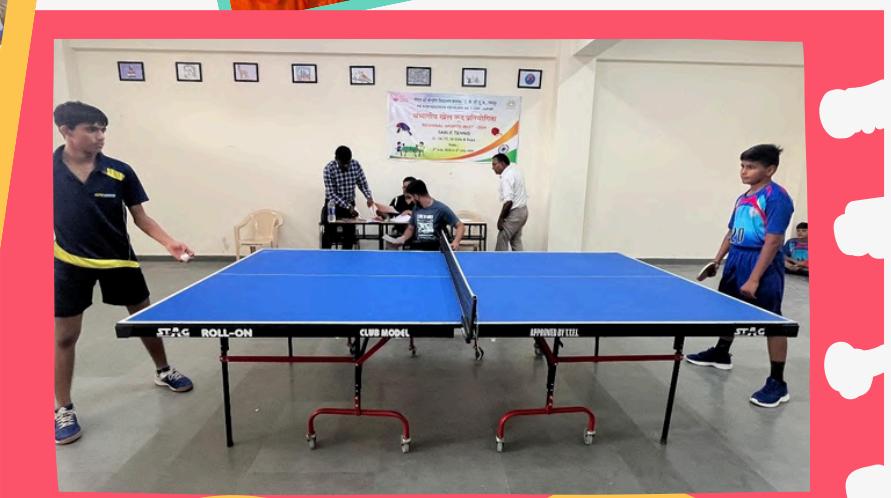
HOUSE : ASHOKA .



House : Ramon No : 2011



# REGIONAL SPORTS MEET



# INVESTITURE CEREMONY AND STUDENT LEADERSHIP



# NATIONAL SPORTS DAY



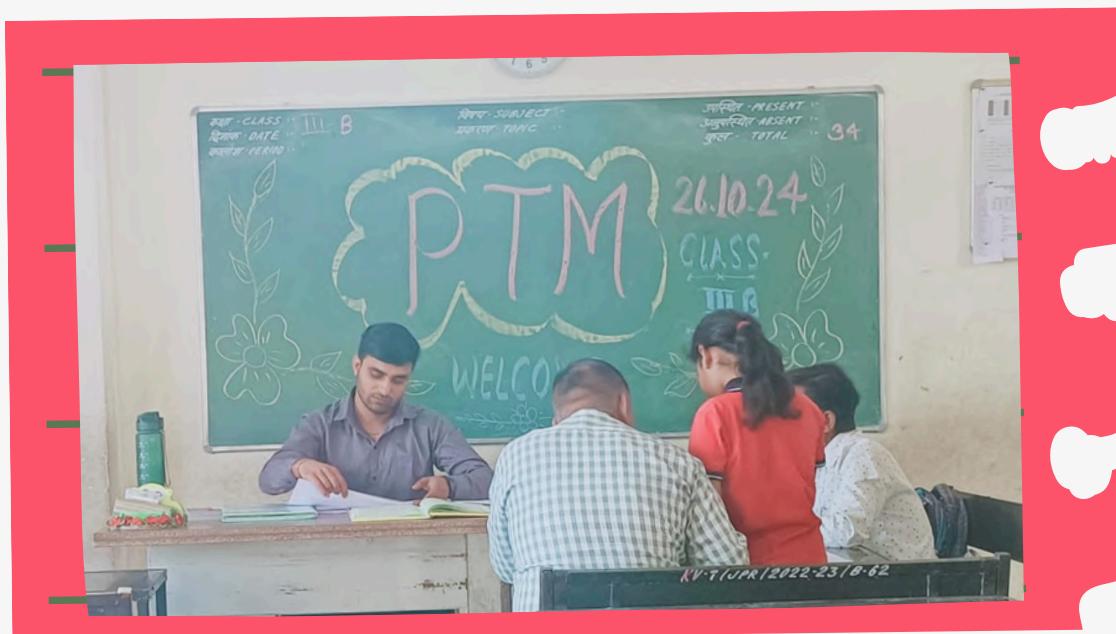
# SHIKSHA SAPTAH ACTIVITIES



# SHIKSHA SAPTAH ACTIVITIES



# PARENTS TEACHER MEETING



# SWACCHTA PAKHWADA



# CCA ACTIVITIES



# TEACHER'S DAY CELEBRATION



# CHILDREN'S DAY CELEBRATION



# EDUCATIONAL TOURS & EXCURSIONS



# EDUCATIONAL TOURS & EXCURSIONS



# EDUCATIONAL TOURS & EXCURSIONS



# COMMUNITY OUTREACH



# SCIENCE & INNOVATION CORNER



# ECO-FRIENDLY INITIATIVES



# ECO-FRIENDLY INITIATIVES



# BALVATIKA



# BALVATIKA



# CUBS AND BULBUL HEERAK PANKH



# BAGLESS DAYS



Shot on OnePlus

# PROVIDING AIDS & APPLIANCES FOR CWSN



# PROVIDING AIDS & APPLIANCES FOR CWSN



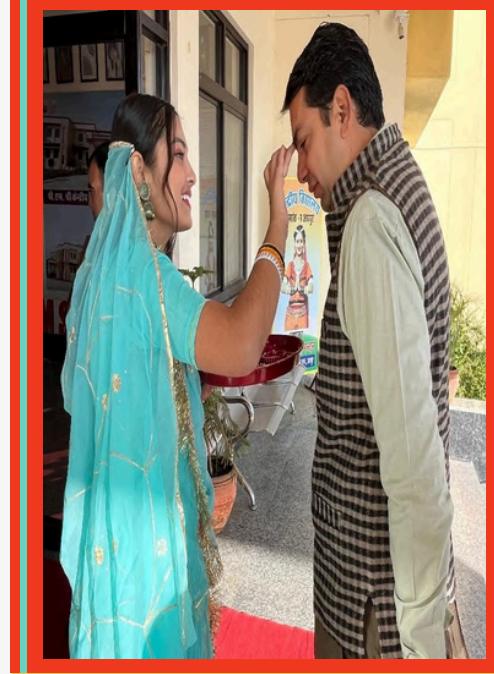
# JANJATIYA GAURAV PAKHWADA



# ACADEMIC PANEL SUPERVISION



# KVS FOUNDATION DAY



# REPUBLIC DAY CELEBRATION



# PARIKSHA PE CHARCHA



# ANNUAL SPORTS DAY



# ANNUAL SPORTS DAY



# FAREWELL MOMENTS



# MEMORABLE MOMENTS WITH DC SIR AT OUR VIDYALAYA



# MP HALL INAUGURATION



# MAGIC SLATE DISTRIBUTION



# CONVOCATION CEREMONY



## Vision

- KVS believes in imparting knowledge/values and nurturing the talent, enthusiasm and creativity of its students for seeking excellence through high-quality educational endeavours.

## Mission

- To cater to the educational needs of children of transferable Central Government employees including Defence and Para-military personnel by providing a common programme of education.
- To pursue excellence and set the pace in the field of school education.
- To initiate and promote experimentation and innovations in education in collaboration with other bodies like the Central Board of Secondary Education...